



插图本

唐诗宋词应用系列丛书

①

王延英 曲径·编著  
辽海出版社

# 旅游用唐诗



# 插图本旅游用唐诗

王延英 曲 径 编著

(上)

辽海出版社

**图书在版编目 (CIP) 数据**

插图本旅游用唐诗/王延英, 曲径编著. —沈阳: 辽海出版社, 2001. 12

(唐诗应用系列丛书)

ISBN 7-80669-172-3

I. 插… II. ①王…②曲… III. 唐诗—选集  
IV. I222. 742

中国版本图书馆 CIP 数据核字 (2001) 第 086651 号

辽海出版社出版、发行

(沈阳市和平区十一纬路 25 号 邮政编码 110003)

北京海德印务有限公司印刷

---

开本: 850×1168 毫米 1/32 字数: 320 千字 印张: 16

2006 年 3 月第 2 版

2006 年 3 月第 1 次印刷

---

责任编辑: 桂秋 杨华 国武

责任校对: 王晓秋

封面设计: 马寄萍

版式设计: 马寄萍

---

定价: 56.00 元 (全 2 册)



## 总 序

在中国历史上，唐代不仅国势的强盛和经济的繁荣达到了巅峰状态，诗歌创作更前无古人，后难为继，那是一个太阳般辉煌的时代，是一个令人自豪、值得引吭高歌的时代！明朝人说：“文必秦汉，诗必盛唐。”这不是耸人听闻，它确实真实而确切地说出了唐诗在中国诗歌史上无与伦比的地位。

然而，唐诗的繁盛，不仅表现在李白敏捷千首的灵仙才气，杜甫下笔有神的深厚功力，王维诗中有画、画中有诗的超凡绝俗，李贺亦真亦幻的奇思妙想……更表现在它对世间生活，特别是人们日常生活各个方面精微细致、鲜明生动的反映和描写，不仅为我们现代人提供了唐代社会与人生的鲜明画卷，令人发思古之幽情，而且在我们今天的日常生活中仍然具有实用价值，特别有助我们提高生活品位和生活质量。试想：当你面对庐山瀑布的时候，你能否想出比李白“飞流直下三千尺，疑是银河落九天”更好的概括与赞美？当你酒兴正浓的时候，能否说出比李白更充分的喝酒理由：“天若不爱酒，酒星不在天。地若不爱酒，地应无酒泉。天地既爱酒，爱酒不愧天……”当你送别老朋友的时候，借用王维的诗句“劝君更进一杯酒，西出阳关无故人”，怎么不令人感到情深意长？当你面对国色天香的牡丹花，确实感到美艳非凡又觉得难以形容的时候，想一想刘禹锡的诗句“厅前芍药妖无格，池上芙蓉静少情。惟有牡丹真国色，花开时节动京城”，你肯定会有更好的审美体验，在美的欣赏上获得某些启迪。一个饭店的普通女服务员，当她把葡萄酒端给一位法国人时，对方得意洋洋地说中





总

国的葡萄酒源于法国，可是当女服务员以王翰《凉州词》“葡萄美酒夜光杯，欲饮琵琶马上催”为证据，证明早在唐代中国就有葡萄酒时，对方一脸沮丧，低首叹服……

可见，唐诗虽然是中国一千多年前的精神产品，但是在现代仍然具有不可替代的审美价值和实用价值。正是从这一点出发，我们组织专家学者，推出了这套插图本唐诗应用系列丛书。

序

这套丛书共分四册，即：《插图本饮酒用唐诗》、《插图本赏花用唐诗》、《插图本节日用唐诗》、《插图本旅游用唐诗》。书的体例主要由品类介绍、唐诗典型、备览三部分构成。每个类都配有精彩的插图，典型之中都有作品的背景介绍和详细的思想内容分析和艺术上的鉴赏，备览部分附有相关作品，以备读者进一步了解和探讨之用。因为书中有文有图，相辅相成，确实有图文并茂、相得益彰的效果。

当然，让唐诗从人们的精神殿堂走进日常生活，这还需要我们进一步努力工作，希望广大读者予以指教，以便于我们把工作做得更好。



# 目 录

|     |         |      |
|-----|---------|------|
| 一   | 泰山      | (3)  |
| 二   | 衡山      | (8)  |
| 三   | 黄山      | (12) |
| 四   | 华山      | (16) |
| 五   | 恒山      | (20) |
| 六   | 嵩山      | (22) |
| 七   | 五台山     | (26) |
| 八   | 峨眉山     | (28) |
| 九   | 九华山     | (31) |
| 十   | 天山      | (34) |
| 十一  | 庐山      | (37) |
| 十二  | 太行山     | (45) |
| 十三  | 大别山     | (48) |
| 十四  | 武夷山     | (50) |
| 十五  | 大庾岭     | (52) |
| 十六  | 中条山     | (55) |
| 十七  | 王屋山     | (57) |
| 十八  | 天台山 天姥山 | (60) |
| 十九  | 灵隐山     | (65) |
| 二十  | 天门山     | (67) |
| 二十一 | 荆门山     | (69) |
| 二十二 | 西塞山     | (72) |
| 二十三 | 君山      | (75) |
| 二十四 | 剑门山 蜀道  | (77) |
| 二十五 | 巫山      | (86) |

|     |            |       |
|-----|------------|-------|
| 二十六 | 终南山 .....  | (90)  |
| 二十七 | 商山 .....   | (103) |
| 二十八 | 火焰山 .....  | (107) |
| 二十九 | 祁连山 .....  | (109) |
| 三十  | 太白山 .....  | (110) |
| 三十一 | 钟山 .....   | (111) |
| 三十二 | 栖霞山 .....  | (113) |
| 三十三 | 骊山 .....   | (114) |
| 三十四 | 陇山 .....   | (115) |
| 三十五 | 茅山 .....   | (116) |
| 三十六 | 石门山 .....  | (117) |
| 三十七 | 蒙山 .....   | (118) |
| 三十八 | 苏门山 .....  | (119) |
| 三十九 | 秦岭 .....   | (120) |
| 四十  | 综合 .....   | (121) |
| 一   | 长江 .....   | (128) |
| 二   | 黄河 .....   | (131) |
| 三   | 汉江 .....   | (137) |
| 四   | 珠江 .....   | (141) |
| 五   | 大运河 .....  | (143) |
| 六   | 钱塘江 .....  | (146) |
| 七   | 富春江 .....  | (149) |
| 八   | 新安江 .....  | (152) |
| 九   | 湘江 .....   | (154) |
| 十   | 嘉陵江 .....  | (157) |
| 十一  | 曲江 .....   | (159) |
| 十二  | 扬州兰塘 ..... | (162) |
| 十三  | 三峡 .....   | (165) |
| 十四  | 同冠峡 .....  | (169) |

|     |        |       |
|-----|--------|-------|
| 十五  | 渭河     | (171) |
| 十六  | 泾水     | (172) |
| 十七  | 泾水     | (173) |
| 十八  | 太湖     | (174) |
| 十九  | 鄱阳湖    | (178) |
| 二十  | 洞庭湖    | (179) |
| 二十一 | 西湖     | (184) |
| 二十二 | 东海     | (187) |
| 二十三 | 黄海     | (189) |
| 二十四 | 南海     | (191) |
| 二十五 | 渤海     | (192) |
| 二十六 | 综合     | (194) |
| 一   | 陕西省    | (199) |
| 1、  | 西安     | (199) |
| 2、  | 咸阳     | (214) |
| 3、  | 潼关     | (217) |
| 4、  | 临潼     | (219) |
| 5、  | 兴平     | (221) |
| 二   | 北京市    | (222) |
| 三   | 天津市    | (226) |
| 四   | 河北省    | (228) |
| 1、  | 邯郸     | (228) |
| 2、  | 临漳     | (229) |
| 3、  | 秦皇岛    | (230) |
| 五   | 山西省    | (231) |
| 1、  | 太原     | (232) |
| 2、  | 大同     | (235) |
| 六   | 内蒙古自治区 | (237) |
| 1、  | 五原     | (237) |



|             |       |
|-------------|-------|
| 2、呼和浩特····· | (239) |
| 七 辽宁省·····  | (240) |
| 1、辽 阳·····  | (240) |
| 2、朝阳·····   | (244) |
| 八 吉林省·····  | (247) |
| 九 黑龙江省····· | (249) |
| 十 上海市·····  | (250) |
| 十一 江苏省····· | (251) |
| 1、南京·····   | (252) |
| 2、镇江·····   | (260) |
| 3、常州·····   | (265) |
| 4、无锡·····   | (267) |
| 5、苏州·····   | (270) |
| 6、常熟·····   | (280) |
| 7、徐州·····   | (282) |
| 8、扬州·····   | (284) |
| 十二 浙江省····· | (289) |
| 1、杭州·····   | (289) |
| 2、绍兴·····   | (295) |
| 3、宁波·····   | (301) |
| 十三 安徽省····· | (302) |
| 1、合肥·····   | (302) |
| 2、寿 县·····  | (303) |
| 3、歙县·····   | (304) |
| 4、马鞍山·····  | (305) |
| 5、宣城·····   | (307) |
| 6、贵 池·····  | (313) |
| 7、滁州·····   | (315) |
| 十四 福建省····· | (318) |

|        |       |
|--------|-------|
| 1、福州   | (318) |
| 2、泉州   | (319) |
| 3、漳州   | (321) |
| 4、福鼎   | (322) |
| 5、德化   | (323) |
| 6、南平   | (324) |
| 十五 江西省 | (325) |
| 1、南昌   | (325) |
| 2、新建   | (329) |
| 3、余干   | (330) |
| 十六 山东省 | (331) |
| 1、济南   | (331) |
| 2、临清   | (334) |
| 3、曲阜   | (335) |
| 4、文登   | (338) |
| 5、济宁   | (339) |
| 6、单县   | (340) |
| 7、聊城   | (341) |
| 8、兖州   | (342) |
| 十七 河南省 | (344) |
| 1、郑州   | (344) |
| 2、洛阳   | (345) |
| 3、开封   | (350) |
| 4、商丘   | (352) |
| 5、安阳   | (353) |
| 十八 湖北省 | (354) |
| 1、武汉   | (354) |
| 2、江陵   | (357) |
| 3、襄樊   | (358) |

|             |       |
|-------------|-------|
| 十九 湖南省      | (359) |
| 1、长沙        | (360) |
| 2、岳阳        | (362) |
| 3、零陵        | (365) |
| 二十 广东省      | (366) |
| 1、广州        | (366) |
| 2、肇 庆       | (369) |
| 3、韶关        | (370) |
| 4、潮州        | (371) |
| 5、惠州        | (372) |
| 二十一 海南省     | (373) |
| 二十二 广西壮族自治区 | (374) |
| 1、桂林        | (374) |
| 2、柳州        | (376) |
| 二十三 四川省     | (381) |
| 1、成都        | (381) |
| 2、重庆        | (386) |
| 3、阆中        | (387) |
| 4、奉节        | (389) |
| 5、三台        | (393) |
| 6、广元        | (397) |
| 7、乐山        | (399) |
| 二十四 贵州省     | (400) |
| 二十五 云南省     | (403) |
| 二十六 西藏自治区   | (405) |
| 二十七 甘肃省     | (407) |
| 1、兰州        | (407) |
| 2、武威        | (409) |
| 3、张掖        | (411) |

|             |       |
|-------------|-------|
| 4、天水        | (413) |
| 5、敦煌        | (415) |
| 二十八 青海省     | (416) |
| 二十九 宁夏回族自治区 | (418) |
| 1、灵武        | (418) |
| 2、固原        | (419) |
| 三十 新疆维吾尔自治区 | (420) |
| 1、米泉        | (420) |
| 2、库尔勒       | (423) |
| 3、吐鲁番       | (424) |
| 三十一 台湾省     | (426) |
| 三十二 其他      | (427) |
| 1、长城        | (427) |
| 2、江南        | (430) |
| 3、岭南        | (432) |

上 编

名 山 旅 游





# 一 泰山

泰  
山





## 望 岳 杜 甫

岱宗夫如何？齐鲁青未了<sup>①</sup>。  
造化钟神秀，阴阳割昏晓<sup>②</sup>。  
荡胸生层云，决眦入归鸟<sup>③</sup>。  
会当凌绝顶，一览众山小<sup>④</sup>。

杜甫（712～770）字子美，自称少陵野老、杜陵布衣，祖籍襄阳（今属湖北），生于巩县（今属河南）。七岁能诗，二十岁后漫游江南，开元二十三年（735）应举不第，又漫游齐赵。后在长安闲居十年。安史乱起，陷于贼中，冒死逃至凤翔谒见肃宗，官左拾遗。不久因救房琯触怒肃宗，外调华州司户参军。不久辞官，入蜀。在蜀曾入严武幕，被荐任检校工部员外郎，世称杜工部。最后病死于湘江舟中。其诗多方面地反映社会生活，有诗史之称。其中有对统治者的揭露，有对人民的同情，有对正义战争的歌颂，有对穷兵黩武的批判，有对亲朋的真挚思念，有对音乐、舞蹈、绘画，以及山川风景的由衷喜悦，还有对诗歌的评论，等等。诗风多样，以沉郁为主，语言精炼，具有高度的表现力。有诗圣之名，与李白并称“李杜”。有《杜工部集》。

### 【题解】

本诗作于开元二十四年（736）。当时杜



① 岱宗：即泰山，在今山东省泰安城北。因为它被尊为五岳之首，所以有此称。齐鲁：古国名，在山东省境内。齐在泰山之北，鲁在泰山之南。

② 造化：天地万物的主宰者。钟：聚集。神秀：奇丽的景色。阴：山北。阳：山南。割：划分。昏：晚间。晓：早晨。

③ 荡胸：心胸激荡。决：裂开；眦（zì）：眼眶。

④ 会当：要，一定要。凌：登上。“一览众山小”：语出《孟子·尽心上》：孔子“登泰山而小天下”。





甫 24 岁，漫游各地，北游齐赵时写下这首诗。岳即东岳泰山，为五岳之一。诗从远望到近观，由朝至暮，层层描写，不仅生动地表现出泰山的雄伟奇特和浑浩的气势，而且也表现出青年杜甫的雄心壮志和远大的理想。全诗虚实结合，物我合一，囊括万象，表现出海涵地负的艺术才力。

—  
泰  
山

## 游泰山 六首 李 白

### 其一

四月上泰山，石磴御道开。  
六龙过万壑，涧谷随紫回。  
马迹绕碧峰，于今满青苔。  
飞流洒绝巘，水急松声哀。  
山眺嵯峨奇，倾崖向东摧。  
洞门闭石扇，地底兴云雷。  
登高望蓬瀛，想象金银台。  
天门一长啸，万里清风来。  
玉女四五人，飘飘下九垓。  
含笑引素手，遗我流霞杯。  
稽首再拜之，自愧非仙才。  
旷然小宇宙，弃世何悠哉。

### 其二

清晓骑白鹿，直上天门山。  
山际逢羽人，方瞳好容颜。  
扪萝欲就语，却掩青云关。  
遗我鸟迹书，飘然落岩间。

